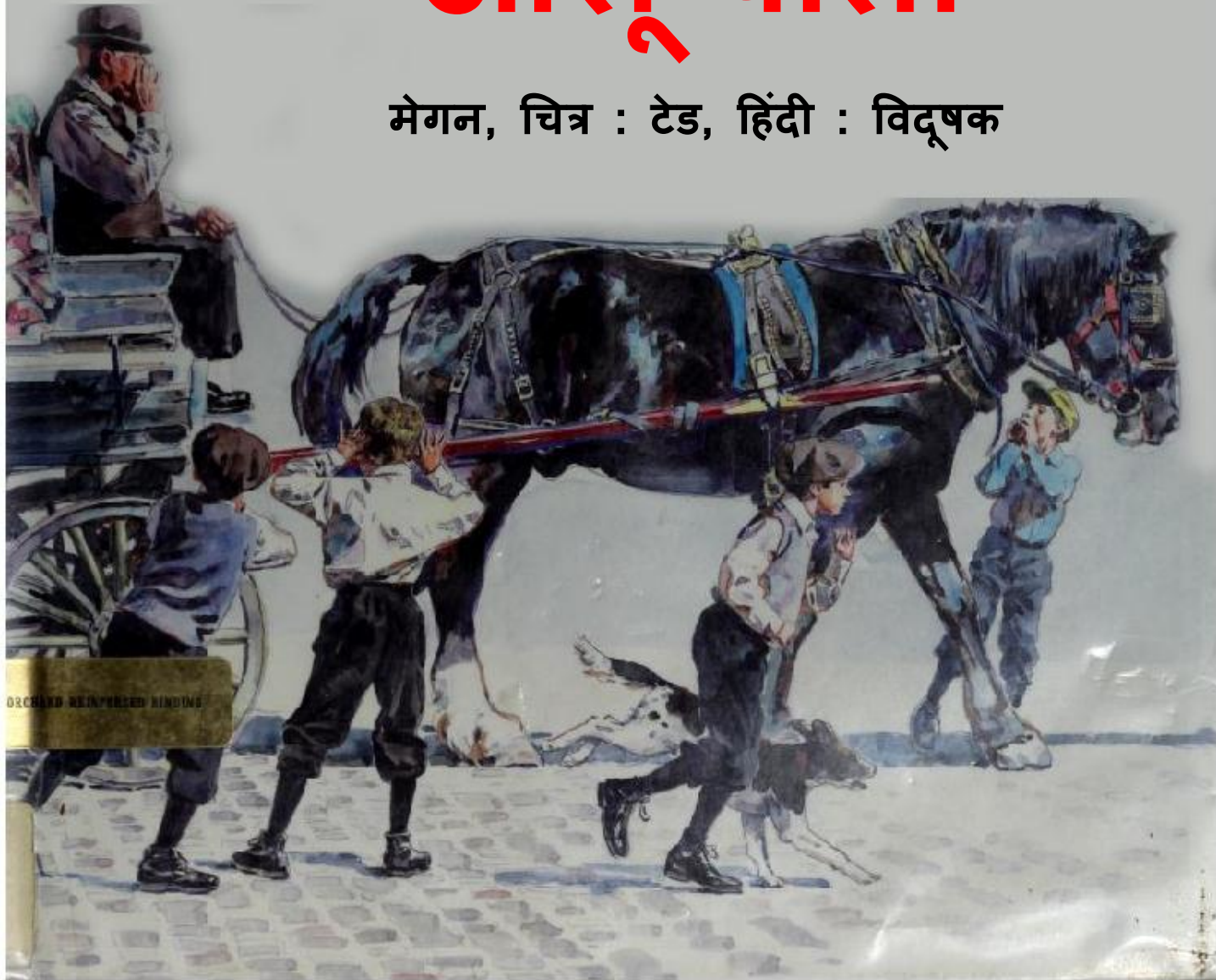


आलू-वाला

मेगन, चित्र : टेड, हिंदी : विदूषक



आलू-वाले की सिर्फ एक ही आँख थी, और उसका चेहरा किसी मोटे आलू से मिलता-जुलता था.

आलू-वाले का चेहरा डरावना ज़रूर था, पर ऐसा लगता था की उसकी किस्मत भी खराब थी. जिस दिन आलू-वाला अपनी घोड़ा-गाड़ी में पहली बार हमारी गली में आया उसी दिन से बच्चे उसके साथ छेड़खानी और शरारते करने लगे. वो पीछे से उसपर छोटे पत्थर फेंकने लगे और उसकी गाड़ी में से गिरे आलुओं की चोरी करने लगे.

पर सबसे डरावना दिन क्रिसमस के पहले दिन आया. इस किताब में आपको अमरीका के पुराने इतिहास की एक झलकी मिलेगी. साथ में आप एक बदसूरत आदमी की दरियादिली को भी महसूस पाएंगे.

आलू-वाला

मेगन, चित्र : टेड, हिंदी : विदूषक



“देखो, सब इस तरह शुरू हुआ,” दादाजी ने बताना शुरू किया:

“मैं और ओटो सड़क पर छिपा-छिली खेल रहे थे, तभी हमने पहली बार आलू बेंचने वाले को देखा. उसकी सिर्फ एक आँख थी और हाँ - उसका चेहरा बिल्कुल आलू जैसा ही फूला हुआ था.





उस ज़माने में ईस्ट स्ट्रीट पर बहुत से फेरी वाले चीज़ें बेचने या चीज़ों की मरम्मत करने आते थे. आप अपने दरवाज़े पर ही चीज़े खरीद सकते थे या उनकी मरम्मत करवा सकते थे.





जब कभी मुझे यह आवाज़ सुनाई देती, “चाकू में धार लगवालो, कैंची में धार लगवालो,” तो मैं किचन के चाकू लेकर दौड़कर बाहर जाता और बड़ी उत्सुकता से चाकुओं में धार लगते देखता. सबसे ज्यादा मज़ा मुझे पत्थर को तेज़ घूमते हुए देखने में आता था. और जब चाकू की रगड़ से पत्थर में से चिंगारियां निकलतीं, तो मैं उन्हें देखकर फूला नहीं समाता था.



मुझे सबसे ज्यादा मज़ा एक संगीतज्ञ पर आता था. उसके पास एक मशीन थी. जब वो उसका हैंडल घुमाता तो मशीन में से “पॉप गोज़ द वीज़िल,” गाने की धुन निकलती थी. गाना चलते वक़्त संगीतज्ञ का पक्षी अपने चोंच से पकड़कर आपको आपके “भविष्य” का लिफाफा पकड़ाता :

अपने काम में आप तीन बार सफल होंगे!





मुझे वो दिन याद है जब “भविष्यवाणी” का लिफाफा पहली बार मेरे हाथ में आया. असल में उस दिन मैं तीन बार असफल और बदकिस्मत रहा. उसी दिन आलू बेचने वाला पहली बार हमारी सड़क से गुज़रा. वो घोड़ा-गाड़ी पर सवार था. वो घोड़े की लगाम को खींच रहा था और चाबुक हिलाकर जोर-जोर से चिल्ला रहा था, “आलू खरीद लो!”





शायद इसीलिए उसका नाम आलू-वाला पड़ा. वो एक नया फेरीवाला था जो अपनी गाड़ी में फल और सब्जियां बेचने आया था. सेब, आलू, चुकंदर और पत्ता-गोभियों का उसकी गाड़ी में ढेर लगा था.

“आलू खरीद लो!” वो जोर से चिल्लाता.

उसकी आवाज़ सुनकर मेरा कुत्ता इतनी जोर से भूँका कि उसकी चेन टूटते-टूटते बची. मेरी बहनें रस्सी कूद रही थीं और साथ में एक गीत भी गुनगुना रही थीं.

पर जब उन्होंने आलू-वाले की एक आँख देखी तो वे डर के मारे सड़क से दौड़ी-दौड़ी घर वापिस आईं.







मैं भी डर के मारे टूलशेड में छिप गया. माँ मुझे हमेशा चार केले खरीदकर लाने के लिए पैसे देती थीं. पर उस दिन मैंने केले नहीं खरीदे. मैं बस टूलशेड में ही बैठा रहा और ऊपर की टीन पर गिरती बारिश की टिप-टिप को सुनता रहा.

सड़क के शरारती बच्चों ने आलू-वाले को चिढ़ाना शुरू किया. जब कभी वो आता तो बच्चे चिल्लाते “यहाँ से भागो आलू-वाले”. उसके बाद वो उसकी गाड़ी का पीछा करते और पीछे से लकड़ी की टहनियां और छोटे पत्थर फेंकते.

उसके बाद से बदकिस्मतियों का दौर शुरू हुआ.





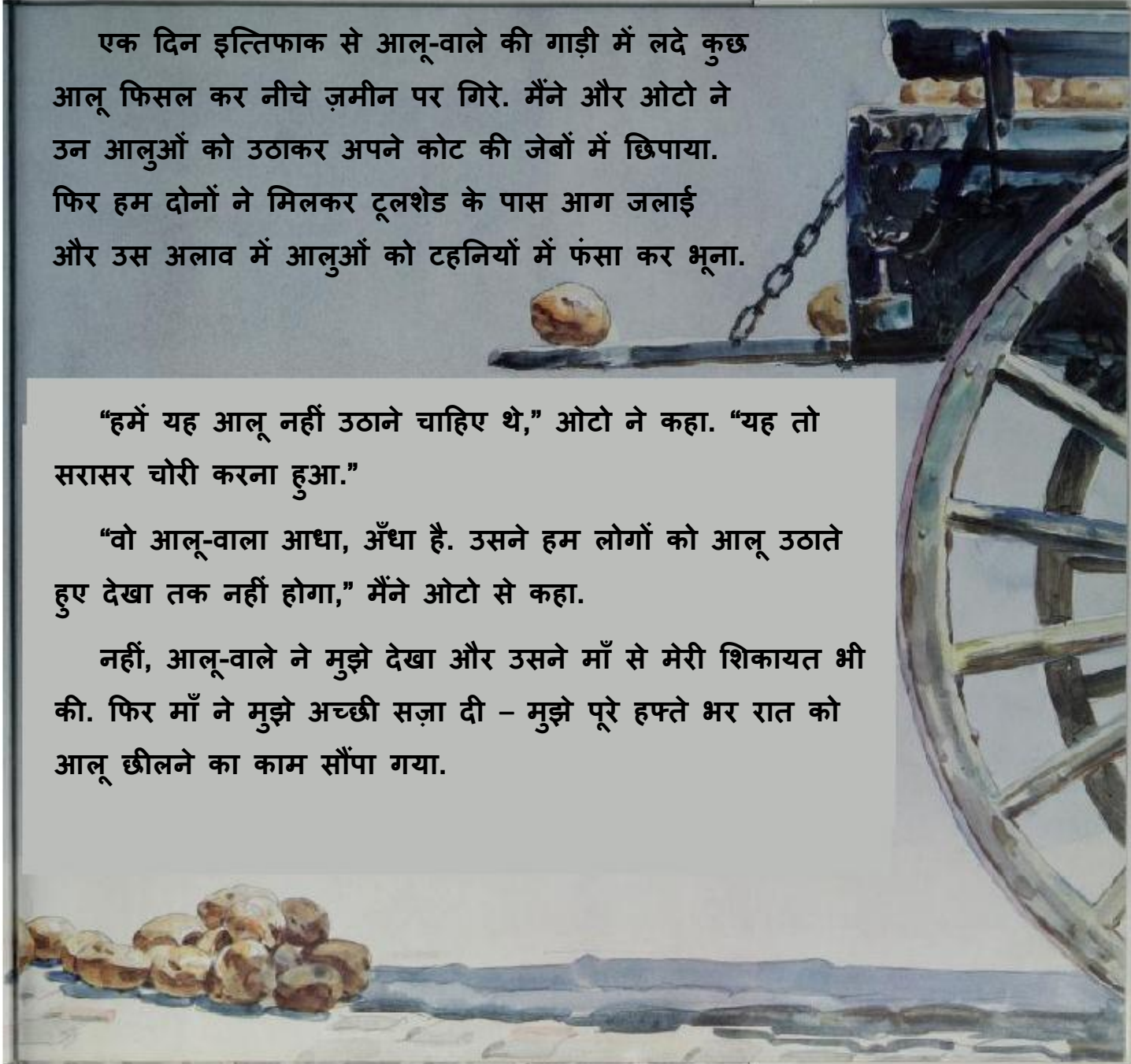


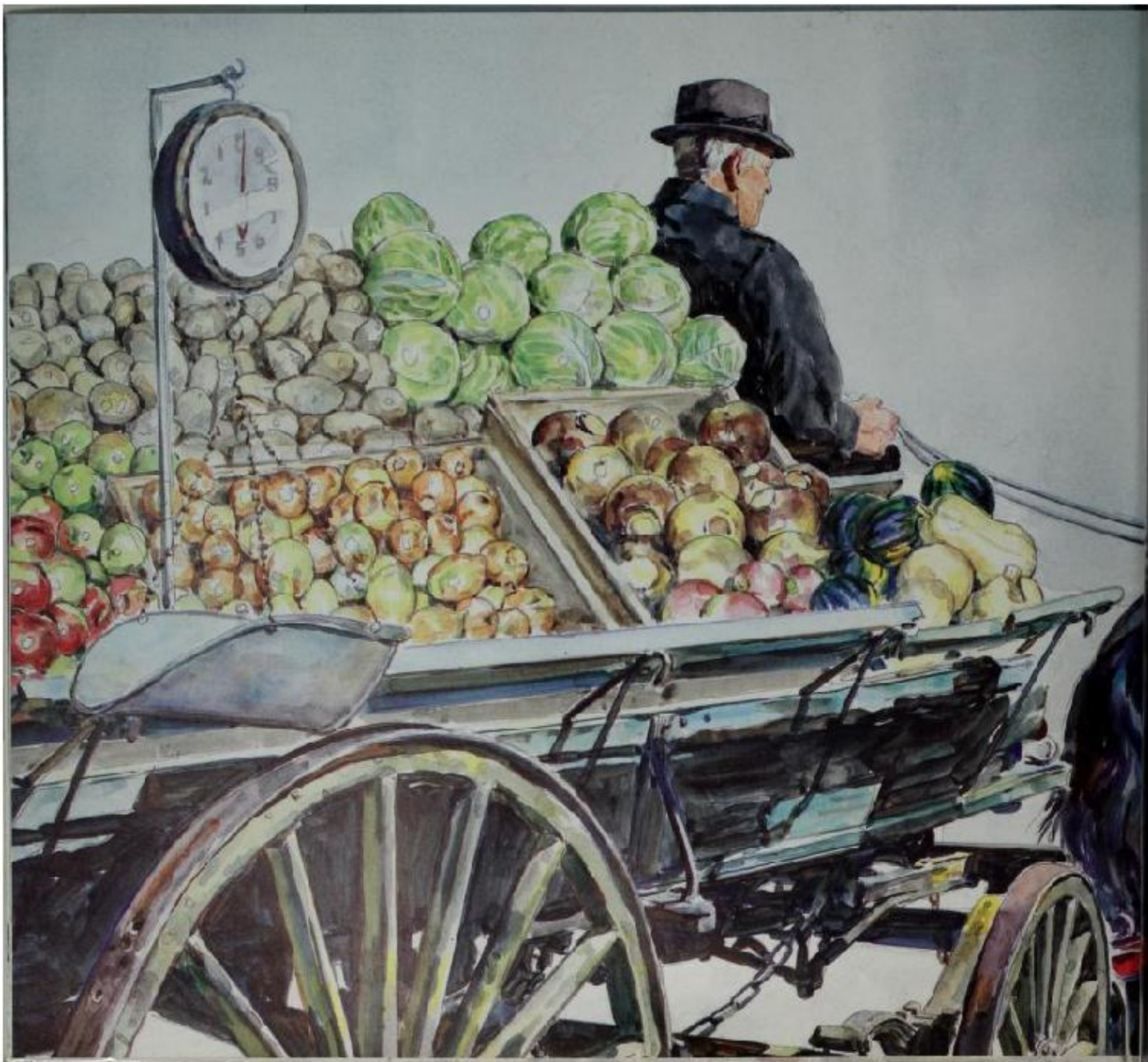
एक दिन इत्तिफाक से आलू-वाले की गाड़ी में लदे कुछ आलू फिसल कर नीचे ज़मीन पर गिरे. मैंने और ओटो ने उन आलुओं को उठाकर अपने कोट की जेबों में छिपाया. फिर हम दोनों ने मिलकर टूलशेड के पास आग जलाई और उस अलाव में आलुओं को टहनियों में फंसा कर भूना.

“हमें यह आलू नहीं उठाने चाहिए थे,” ओटो ने कहा. “यह तो सरासर चोरी करना हुआ.”

“वो आलू-वाला आधा, अँधा है. उसने हम लोगों को आलू उठाते हुए देखा तक नहीं होगा,” मैंने ओटो से कहा.

नहीं, आलू-वाले ने मुझे देखा और उसने माँ से मेरी शिकायत भी की. फिर माँ ने मुझे अच्छी सज़ा दी – मुझे पूरे हफ्ते भर रात को आलू छीलने का काम सौंपा गया.

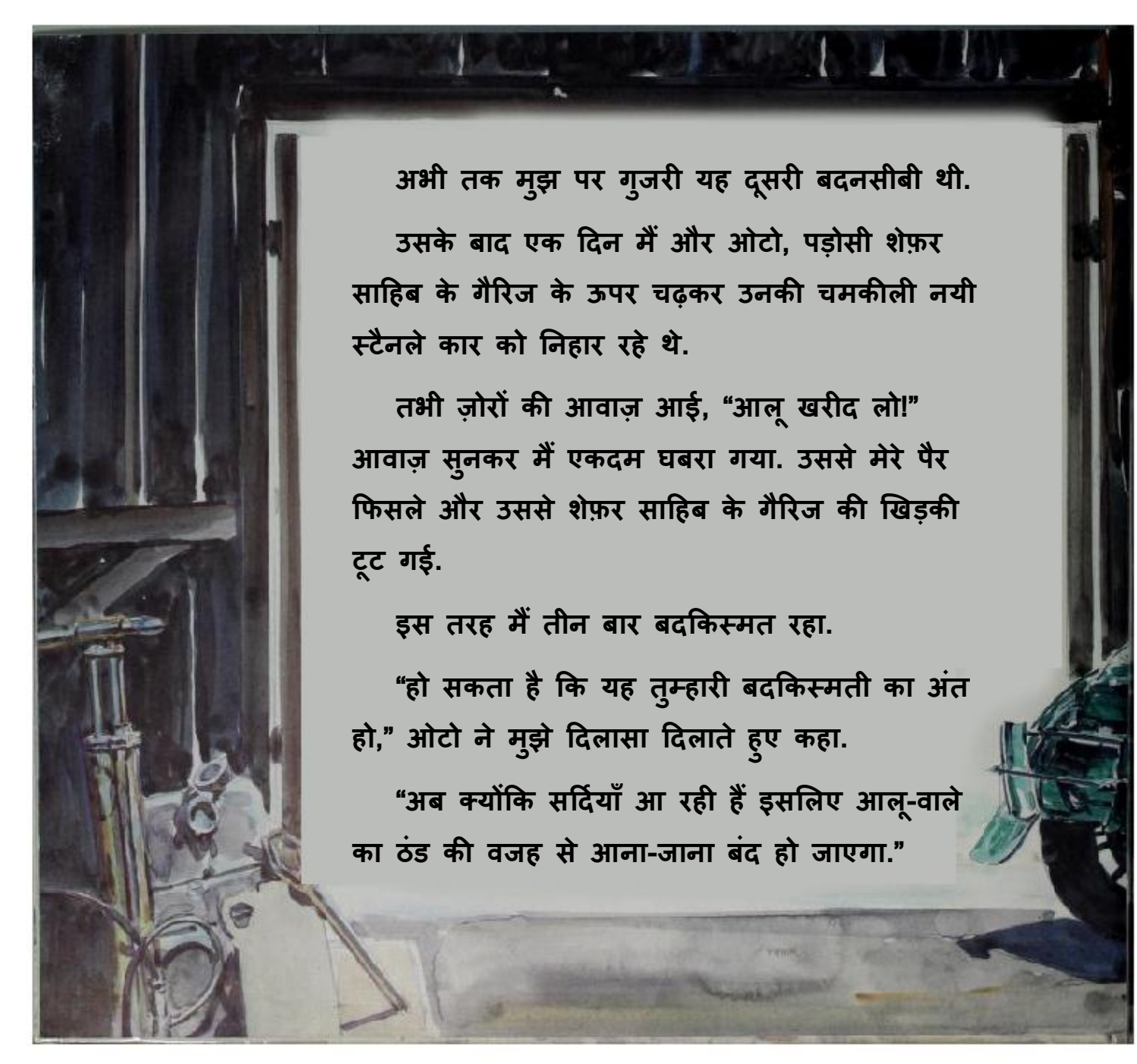




दूसरी बार मैंने एक और शरारत की. जब मेरी बहन किसी दूसरी तरफ देख रही थी तब मैंने एक पूरा संतरा उसके बालों में जाकर निचोड़ दिया. उसके बाद मेरी बहन चिल्लाती हुई घर के बाहर दौड़ी. तमाम मक्खियाँ उसके सर के चारों ओर मंडरा रही थीं. आलू-वाले ने अपनी घोड़ा-गाड़ी में बैठे-बैठे यह पूरी घटना देखी.

माँ ने मुझे उस शरारत के लिए भी अच्छी सज़ा दी. पर फिर भी मैंने अपनी शरारत नहीं छोड़ी. मुझे जब भी मौका मिलता तब मैं अपनी बहन को चिढ़ाता.





अभी तक मुझ पर गुजरी यह दूसरी बदनसीबी थी.

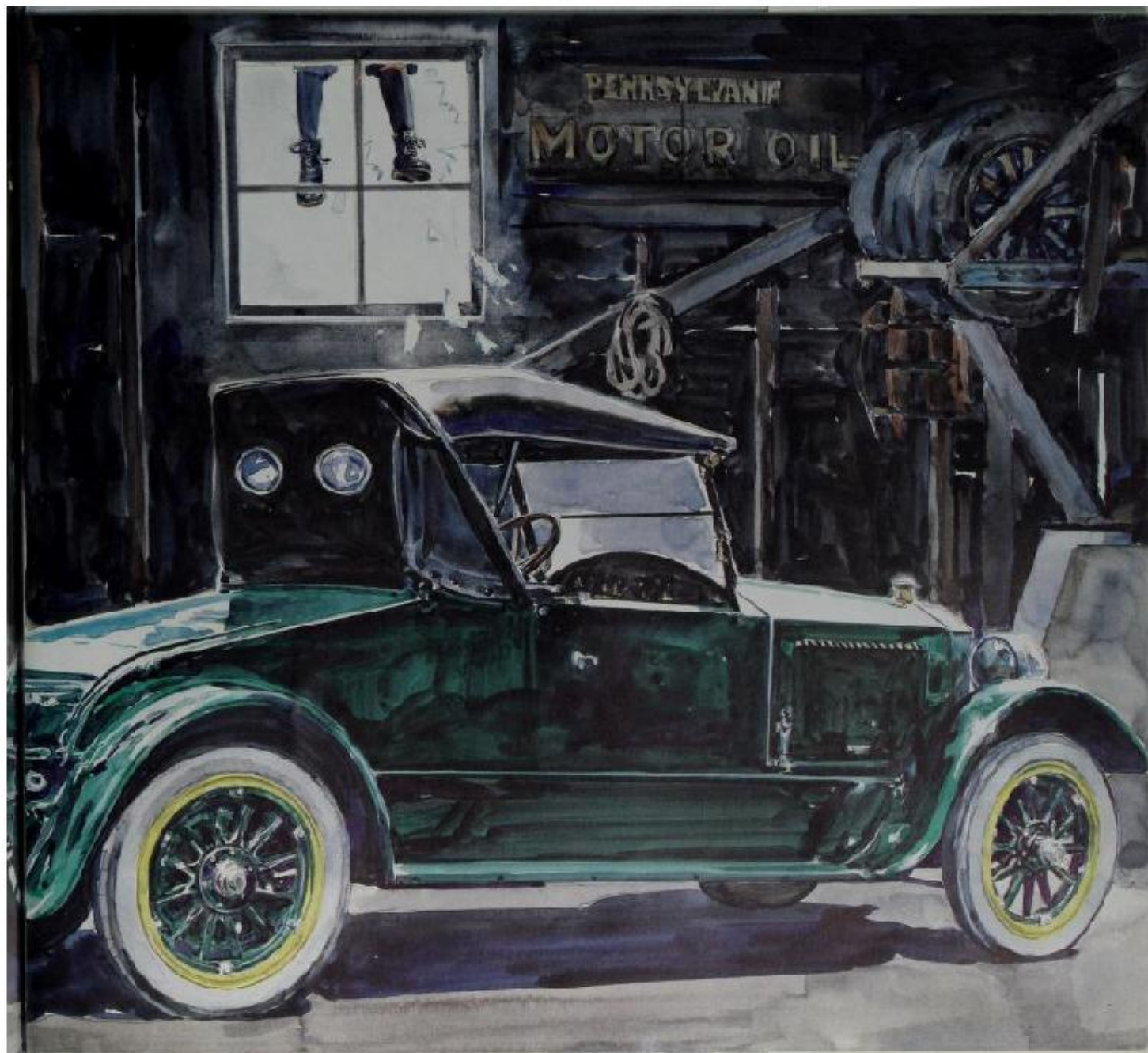
उसके बाद एक दिन मैं और ओटो, पड़ोसी शेफ़र साहिब के गैरिज के ऊपर चढ़कर उनकी चमकीली नयी स्टैनले कार को निहार रहे थे.

तभी ज़ोरों की आवाज़ आई, “आलू खरीद लो!” आवाज़ सुनकर मैं एकदम घबरा गया. उससे मेरे पैर फिसले और उससे शेफ़र साहिब के गैरिज की खिड़की टूट गई.

इस तरह मैं तीन बार बदकिस्मत रहा.

“हो सकता है कि यह तुम्हारी बदकिस्मती का अंत हो,” ओटो ने मुझे दिलासा दिलाते हुए कहा.

“अब क्योंकि सर्दियाँ आ रही हैं इसलिए आलू-वाले का ठंड की वजह से आना-जाना बंद हो जाएगा.”





उसके बाद से तेज़ स्नो पड़ने लगी. मैं और ओटो बाहर स्नो-फ्लेक्स पकड़ रहे थे तभी हमारा कुत्ता डुकी बहुत ज़ोरों से भूकने लगा.

जब हमने पास जाकर देखा तो डुकी अपने मुंह में एक लाल गेंद पकड़े था. मुझे ऐसा लगा कि जैसे वो गेंद आलू-वाले की हो.

“गेंद को छोड़ो डुकी! तुरंत छोड़ो!” मैं चिल्लाया. “जल्दी से मुझे गेंद दो!” मैंने डुकी के पास जाकर कहा. डुकी ने गेंद मेरे हाथों में छोड़ दी.

पर वो गेंद नहीं, लाल रंग का एक सेब था!

मुझे आसपास अनारों के साथ-साथ कुछ और फल भी दिखे. मुझे लगा यह सब फल उसी आलू-वाले के ही होंगे.



तीन बार बदकिस्मती सहने के बाद मैं उनका अभ्यस्त हो चुका था। इसलिए मैं सीधे आलू-वाले के पास गया और मैंने उसकी अच्छी आँख में घूर कर देखा।

उसकी आँख झपकी। उसने अपनी ऊनी टोप पीछे की ओर खींची और फिर उसका पूरा चेहरा तिलमिलाने लगा, जैसे वो मुझ पर गालियों की बौछार बरसाने को तैयार हो।

“यह आपका है?” मैंने उसे लाल सेब लौटाते हुए कहा।

“नहीं बेटे,” आलू-वाले ने बुदबुदाते हुए कहा। उसकी आँख बंद होकर झट से वापिस खुली। “मुझे लगता है वो सेब तुम्हारा ही है। तुम्हें बड़े-दिन (क्रिसमस) की शुभकामनाएं।”







उसके बाद आलू-वाला अपनी घोड़ा-गाड़ी में दुबारा सवार हुआ और फिर चाबुक फटकारता हुआ वहां से ओझल हो गया.

फिर कड़क सर्दी पड़ना शुरू हुई और एक लम्बे अरसे तक हमें आलू-वाला दिखाई नहीं दिया.



“दादाजी, उस आलू-वाले की कहानी हमें दुबारा सुनायें. क्या वो दुबारा वापिस आया? क्या आपने उस आलू-वाले को कभी दुबारा देखा?”

“उस आलू-वाले का नाम था मिस्टर अन्जेलो. अगली वसंत वो दुबारा वापिस आया, फिर जहाँ तक मुझे याद है हर वसंत में वो वापिस आता और हमारी गली में फल और सब्जियां बेंचता था. एक बार उसने मुझे एक बहुत बड़ा और भारी कद्दू भी बेंचा. इतना बड़ा कद्दू तुम लोगों ने कभी नहीं देखा होगा.”

“हमें उसके बारे में बतायें हमें अपने बचपन की कोई और कहानी सुनायें?”

“आज रात के लिए बस इतना ही. कल मैं तुम्हें ज़रूर एक नई कहानी सुनाऊंगा.”





0-531-05914-6
0-531-06514-7 (L18)